बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

अगस्त, 2023

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A)	वज्रपात समेत अन्य आपदाओं में रक्षा करेगा इलेक्ट्रानिक डिवाइस	03
(B)	बालासोर हादसे के पीड़ितों के राहत व पुनर्वास की दीर्घकालिक योजना	04
(C)	मॉकड्रिल से पता चलेगा, कितना उपयोगी व कारगर है बीएसडीआरएन	08
(D)	आपदा जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटकों का मंचन, एलईडी वाहन का परिचालन	09
(E)	आपदा प्रबंधन पर जीविका दीदियों के "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
(F)	एनसीसी शिविर में आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल	12
(G)	अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण के लिए एनएसडीसी से वार्ता	14
(H)	सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम एवं न्यूनीकरण का प्रशिक्षण	16
(I)	रोडमैप व एक्शन प्लान को अपडेट करने का कार्य प्रगति पर	17
(J)	'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में पत्रकार पुष्यमित्र का व्याख्यान	18
(K)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	19
(L)	अगस्त माह की व्यय विवरणी	20
(M)	जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	21

(A) वज्रपात समेत अन्य आपदाओं में रक्षा करेगा इलेक्ट्रानिक डिवाइस

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के लिए 30 अगस्त, 2023 का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में यह दिन मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। बीएसडीएमए ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना के साथ हाथ मिलाया है। दोनों मिलकर उन बेशकीमती जानों को बचाएंगे, जो वज्रपात यानी ठनके की वजह से असमय काल के गाल में समा जाते हैं। प्राधिकरण के अभिभावक माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत ने व्यक्तिगत दिलचस्पी लेकर इस प्रोजेक्ट को मुकाम तक पहुंचाने का काम किया। प्रोजेक्ट का नाम है–"Facilitating adoption of IoT –Edge and AI based technologies for natural disaster management in Bihar"

प्राधिकरण के सभा कक्ष में आज आईआईटी पटना के आईटी विभाग के प्रोफेसर राजीव कुमार और उनकी टीम ने एक प्रेजेंटेशन दिया। साथ ही प्रस्तावित एमओयू का ड्राफ्ट भी पेश किया, जिसे प्राधिकरण ने थोड़े फेरबदल के बाद स्वीकार कर लिया। इस अवसर पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय और माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे।

बीएसडीएमए की पहल पर आईआईटी, पटना के विशेषज्ञ शरीर पर धारण करने योग्य यंत्र (वियरेबल थर्मोइलेक्ट्रिक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस) बनाएंगे, जिससे आपदाओं के प्रभाव को कम किया जा सकेगा और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। यह एक पेंडेंट यानी लॉकेट के आकार का होगा। छोटा–सा यह पेंडेंट आने वाले समय में लाखों जिंदगियों को बचाने में कारगर साबित होगा क्योंकि आनेवाले समय में वज्रपात की घटनाएं बढ़ने का ही अंदेशा है।

पेंडेंट व्यक्ति के शरीर पर बंधा होगा। शरीर की ऊर्जा और गर्माहट से ही रिचार्ज होगा। क्षेत्र विशेष में वज्रपात यानी ठनके की पूर्व चेतावनी जैसे ही आएगी, यह पेंडेंट आपको सतर्क कर देगा। इससे आपको वॉयस मैसेज सुनाई पड़ेगा। साथ ही यह वाइब्रेट करेगा। बीप–बीप की आवाज भी आएगी। यह इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस 100 फीसद सुरक्षित है। सिर्फ वज्रपात ही नहीं, बाढ़, अत्यधिक गर्मी यानी लू और शीतलहरी जैसी आपदाओं में भी यह आपको पूर्व चेतावनी देगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आईआईटी, पटना द्वारा अभी ऐसे 10 हजार पीस बनाए जाएंगे। यह एक ओर सेटेलाइट से और दूसरी ओर आपदा प्रबंधन के सर्वर से जुड़ा होगा। पायलट प्रोजेक्ट सफल होने के बाद इसके पेटेंट और मास प्रोडक्शन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक हर साल देश में औसतन 2182 लोग वज्रपात के शिकार होते हैं। वर्ष–2022 में बिहार में ठनके से 392 लोग मारे गए।

(B)बालासोर हादसे के पीड़ितों के राहत व पुनर्वास की दीर्घकालिक योजना

बालासोर ट्रेन दुर्घटना में बिहार के पीड़ित परिवारों के आंसू पोछने व उनके जख्मों पर मरहम लगाने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) आगे आया है। माननीय मुख्यमंत्री सह अध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण श्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में एक–एक पीड़ित परिवार तक पहुंचने और उनकी सतत आजीविका का प्रबंध करने के लिए उन्हें हर संभव मदद प्रदान करने का फैसला किया। प्राधिकरण की पहल पर स्वयंसेवी संस्थाओं के समूह बिहार इंटर एजेंसी ग्रुप (बी.आइ.ए.जी.) और जीविका दीदियों ने मिशनरी उत्साह से अग्रिम मोर्चा संभाल लिया है। जीविका दीदियां सभी पीड़ित परिवारों के निकट संपर्क में हैं।

'बालासोर ट्रेन दुर्घटना – बिहार के पीड़ितों का प्रबंधन – भविष्य की कार्रवाई' विषयक कार्यशाला का आयोजन माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत की अध्यक्षता में राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, पटना में 01 अगस्त, 2023 को किया गया। इस कार्यशाला में बीएसडीएमए के प्रोफेशनल्स एवं अधिकारियों के आलावा जीविका, बीआरएलपीएस, बीआईएजी, टीआईएसएस, रिलायंस फाउंडेशन, वाईवीके रेलवे के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत ने पीड़ितों के पुनर्वास को सुनिश्चित करने के लिए तात्कालिक और दीर्घकालिक दोनों ही उपायों के लिए सभी ठोस प्रयासों की आवश्यकता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को गैर सरकारी संगठनों और विभिन्न सरकारी विभागों के सहयोग से मिशन मोड में चलाया जायेगा ताकि कल किसी भी आपदा के खिलाफ प्रत्युत्तर (रिस्पांस) का एक उदाहरण स्थापित किया जा सके। उन्होंने पुनर्वास और पुनर्प्राप्ति (रिहैबिलिटेशन और रिकवरी) की दिशा में हमारी अगली कार्रवाई की योजना बनाने के लिए सभी से सार्थक चर्चा और सक्रिय भागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि जीविका, रिलायंस फाउंडेशन, बीआईएजी और कॉर्सटोन सभी आगे का रास्ता खोजने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं ताकि यह बिहार में भविष्य की आपदाओं के लिए रोल मॉडल बन सके। इससे भविष्य में नई एसओपी और रूपरेखा तैयार करने में मदद मिल सकती है। माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि सामान्य प्रथा के रूप में मुआवजा दिए जाने के बाद भी पीड़ित परिवारों की देखभाल करने की यह एक अच्छी और अनूठी पहल है। उन्होंने जीविका के माध्यम से खाद्यान्न सहायता और घायलों के इलाज का ख्याल रखने की बात कही। यह पहल बीएसडीएमए का एक प्रयोग है और इससे भविष्य की कार्रवाइयों के लिए नई एसओपी और रूपरेखा तैयार हो सकती है। माननीय सदस्य श्री पी.एन. राय ने कहा कि दुर्घटना (आपदा) के बाद इस प्रकार की प्रतिक्रिया बिल्कुल नई अवधारणा है। श्री राय ने आगे बताया कि जीविका, बीआईएजी की मदद से आरसीटी (रेलवे) को दावा

प्रस्तुत करने का प्रयास किया जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिन भर की चर्चा से कुछ विचार सामने आ सकते हैं जो एसओपी तैयार करने में मदद कर सकते हैं। टीआईएसएस की प्रोफेसर जैकलीन जोसेफ ने कहा कि वे जीविका के परामर्श से आगे की कार्रवाई की योजना बनाने में सहायता कर सकती हैं। सुश्री मधुलिका मणि और नैंसी ने जीविका दीदियों के लिए प्री ट्रॉमा मैनेजमेंट पर एक सत्र आयोजित किया और उन्हें प्रभावी ढंग से बताया कि उन्हें पीड़ित परिवारों से कैसे संपर्क करना है, कैसे बातचीत करनी है और कैसे परामर्श देना है?

जीविका की श्री नीरज कुमार सिंह ने विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों के बारे में बताया जो जीविका उनके लिए शुरू कर सकती हैं, मसलनः

(क) अस्पतालों में उनकी मौजूदा सुविधाओं के माध्यम से सभी जिला अस्पतालों में हेल्प डेस्क सहायता।

(ख) चिकित्सा सहायता की आवश्यकता वाले घायलों के लिए, जीविका दीदियां एक सूची बना सकती हैं और फिर पूरे राज्य के लिए व्यापक सूची बना सकती हैं। वे 06 महीने तक अनुवर्ती कार्रवाई कर सकती हैं।

(ग) जीविका दीदियां सतत जीविकोपार्जन योजना (एसजेवाई), वनपोषक योजना, मनरेगा आदि जैसी विभिन्न योजनाओं में से एक विशेष योजना की पहचान कर सकती हैं।

(घ) जीविका दीदियां दिव्यांग्ता प्रमाण पत्र) के लिए सहायता प्रदान कर सकती हैं जो आरसीटी (रेलवे) के समक्ष दावा दायर करने में सहायक हो सकता है।

जीविका के डॉ. रितेश ने कहा कि स्वैच्छिक भावना के साथ आगे आईं जीविका दीदियों की भूमिका सराहनीय है और इसकी वास्तव में बहुत आवश्यकता है। उन्होंने प्रत्येक पीड़ित परिवार के लिए माइक्रोप्लान तैयार करने की सलाह दी, ताकि पीड़ित को किसी न किसी योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने जीविका दीदियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी होने के बाद दिव्यांग पेंशन के लिए आवेदन करने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों पर भी ध्यान देने की सलाह दी।

ईसी रेलवे, हाजीपुर के श्री मनीष कुमार ने बताया कि बिहार से 70 दावा मामले आरसीटी में दायर किए गए हैं। बीआईएजी के श्री संजय पांडेय ने बताया कि वे जहां भी आवश्यकता होगी सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

रिलायंस फाउंडेशन के श्री आनंद विजेता ने बताया कि वे बीएसडीएमए की पहल पर बिहार आए थे। उन्होंने निम्नलिखित कार्य शुरू कर दिया है और कुछ शुरू करने वाले हैं :

(क) वे पहले ही मृतक परिवारों को 01 महीने का राशन और अगले 02 महीनों के लिए राशन का कूपन देकर सहायता प्रदान कर चुके हैं। वे 06 महीने तक यह सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे।

(ख) वे घायलों और विकलांगों को, जहां भी आवश्यकता हो, कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं।

(ग) वे पीड़ित परिवार (मृतक) के एक सदस्य को नजदीकी रिलायंस के मार्ट या स्टोर में उपयुक्त प्रशिक्षण देकर रोजगार प्रदान करेंगे।

प्रकल्प का नाम रखा गया प्रोजेक्ट विश्वास

पुनः 12 अगस्त, 2023 शनिवार को जीविका के साथ प्राधिकरण के मीटिंग हॉल में माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में एक विस्तृत बैठक की गयी। विस्तृत चर्चा के बाद निम्न बिन्दुओं पर सहमति बनी :

क) पीड़ित परिवारों के पुनर्वास एवं पुनर्प्राप्ति के लिए प्राधिकरण, जीविका समूह, बीआईएजी, रिलायंस फाउंडेशन, टीआईएसएस व कॉर्सटोन संयुक्त रूप से आगे बढेंगे। इस प्रकल्प का नाम प्रोजेक्ट विश्वास दिया गया। ऐसे परिवारों के विस्तृत सर्वेक्षण लिए एक प्रारूप तय किया गया।

ख) जीविका समूह अपने जिला के अधिकारियों से मिलकर विस्तृत सर्वेक्षण करेंगे। बीआईएजी के प्रतिनिधि जिस जिले में होंगे, सहयोग प्रदान करेंगे।

ग) सर्वेक्षण का डाटा एक गूगल शीट के माध्यम से जीविका के पास आएगा। इस हेतु आवश्यक कार्रवाई के लिए टीआईएसएस का सहयोग जीविका को मिलेगा।

24 अगस्त, 2023 को सभी संबंधित विभागों, बीआईएजी, टीआईएसएस की बैठक ऑनलाइन मोड में हुई जिसमें निम्न बिदुओं पर आगे कार्रवाई का निर्णय हुआः

1. सर्वेक्षण का कार्य पूरा होने के बाद जीविका बताएगी कि किस जिले में जीविका प्रतिनिधियों को प्री ट्रॉमा मैनेजमेंट के ऊपर प्रशिक्षण दिया जाना है। फिर कॉर्सटोन के प्रतिनिधि प्रशिक्षण देने के लिए आगे आ जाएंगे।
2. रिलायंस फाउंडेशन जोहो ऐप की सुविधा देगी ताकि पीड़ित परिवारों के डाटा को फीड किया जा सकेगा। इससे बड़ी आसानी से कई तरह की रिपोर्ट जनरेट की जा सकेगी।
3. रिलायंस फाउंडेशन का 10 पॉइंट सहयोग का एजेंडा है। उस एजेंडा के तहत कम से कम तीन बिंदुओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना है और इन तीन बिन्दुओं पर ध्यान देते हुए सर्वेक्षण के दौरान

ऐसे व्यक्ति और परिवारों को इंगित करना है जिनको रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से पुनर्वास में सहयोग दिया जा सके।

(क) प्रत्येक मृत परिवार से एक व्यक्ति को इंगित करना है जिसको रिलायंस फाउंडेशन के माध्यम से प्रशिक्षण देकर नौकरी योग्य बनाना और रिलायंस द्वारा उनके अपने किसी मार्ट या स्टोर में उनको नौकरी दिया जाना है।

(ख) प्रत्येक पीड़ित परिवार से एक ऐसे व्यक्ति को इंगित करना है जिसका चयन हो जाने के बाद उनको रिलायंस फाउंडेशन द्वारा विशेष प्रशिक्षण देकर उनके कौशल को बढ़ाया जा सके ताकि कहीं भी वे रोजगार का प्रयास कर सकें।

(ग) ऐसे परिवारों को चिन्हित किया जाना है, जिन्हें पशुपालन (लाइव स्टॉक) के क्षेत्र में स्वरोजगार हेतु समर्थन की जरूरत है। रिलायंस फाउंडेशन द्वारा उन परिवारों को पशु प्रदान किए जाएंगे।

यह निर्णय किया गया कि निश्चित रूप से आरंभिक सर्वेक्षण आपदा प्रबंधन विभाग की सूची के आधार पर ही करना है ताकि एक समय सीमा के अंदर इस कार्य को समाप्त किया जा सके। बाद में वैसे व्यक्ति, जो टाटा इंस्टीट्यूट सोशल साइंस के लिस्ट में हैं लेकिन उनको सर्वेक्षण में शामिल नहीं किया गया है, का सर्वेक्षण अलग से किया जा सकेगा और एक अलग से उनकी सूची बनाई जा सकेगी।

प्रोजेक्ट विश्वास में सामाजिक कल्याण विभाग एवं सामाजिक सुरक्षा निदेशालय से समन्वय स्थापित किया गया एवं वे भी सहयोगी की भूमिका में आगे आ गए। निदेशालय द्वारा सभी जिला पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सरकार द्वारा चलाई जा रही सामाजिक सुरक्षा की सभी योजनाओं से पीड़ित परिवारों को आच्छादित करें।

तत्पश्चात, 31 अगस्त, 2023 को समीक्षा बैठक माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई जिसमें निदेशालय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रगति प्रतिवेदन दिया। जीविका द्वारा प्रोजेक्ट विश्वास के तहत सर्वेक्षण कार्य प्रगति पर है। रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल पटना में दायर किये गए पीड़ितों के आवेदन एवं उसपर कार्रवाई की समीक्षा हुई एवं प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया।

(C) मॉकड्रिल से पता चलेगा, कितना उपयोगी व कारगर है बीएसडीआरएन

बिहार स्टेट डिजास्टर रिसोर्स नेटवर्क (बीएसडीआरएन) का मोबाइल एप्प गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड कर इसका उपयोग किया जा सकता है। इसका इस्तेमाल आपदाओं के समय विभिन्न सरकारी तथा रिस्पांस एजेंसियों द्वारा त्वरित रिस्पांस हेतु किया जाता है। आपदा के समय बीएसडीआरएन पर उपलब्ध संसाधन, सामग्री इत्यादि मोबाइल फोन के माध्यम से प्राप्त कर पाना अब आसान हो गया है। विभिन्न आपदाओं में त्वरित कार्रवाई हेतु बचाव एवं राहत में यह एप्प बहुत ही उपयोगी होगा क्योंकि सभी अधिकारी–कर्मी जो आपदा प्रबंधन से जुड़े हैं बड़ी सुगमता से संसाधन प्राप्त कर पाएंगे। इस मोबाइल एप्प के विशिष्ट फीचर्स और अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के आकलन हेतु एक मॉकड्रिल पटना की मुख्य सड़क पर आयोजित की जाएगी। सड़क दुर्घटना पर यह मॉकड्रिल आधारित होगी। इसके पूर्व सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी हितधारकों, यथा – यातायात पुलिस, स्वास्थ्य सेवाएं, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, अग्निशमन सेवाएं, परिवहन विभाग 112 आकस्मिक सेवा इत्यादि की एक बैठक आगामी 4 सितंबर को प्राधिकरण सभा कक्ष में रखी गई है। इस बैठक में उन्हें बीएसडीआरएन मोबाइल ऐप के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

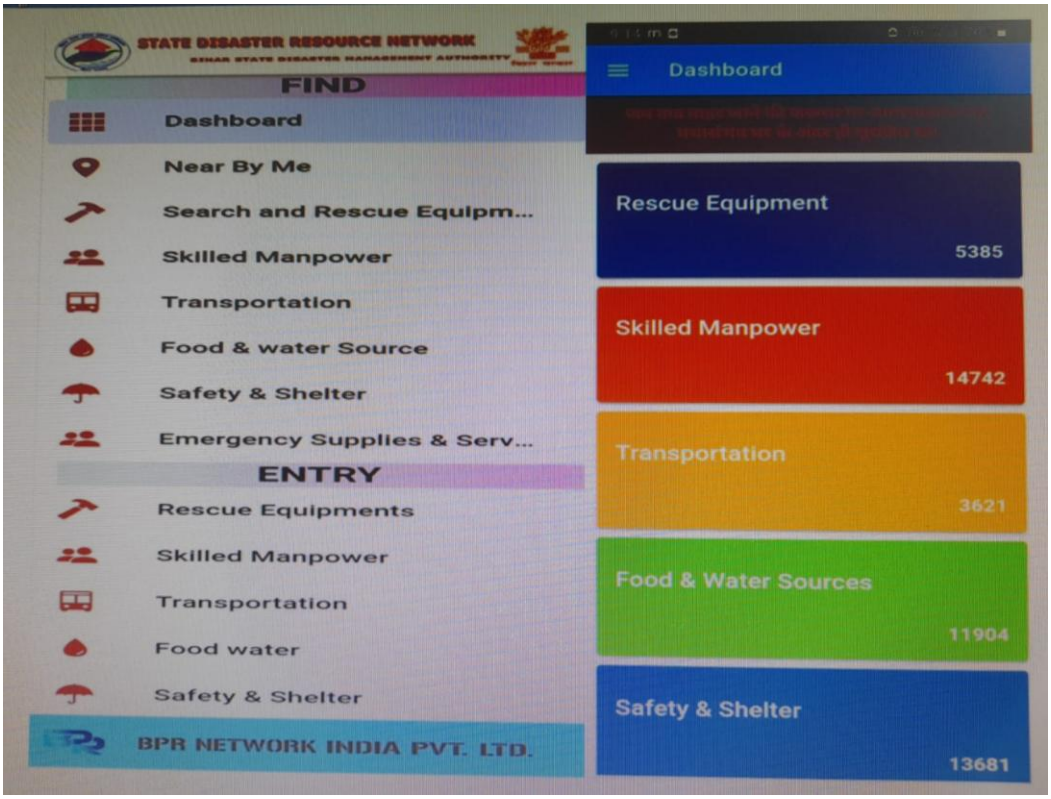

एनआईटी से करार

आपदाओं के लिहाज से बिहार में संरक्षित विभिन्न स्मारक कितने संवेदनशील, सुरक्षित हैं और इनमें सुधार के क्या–क्या उपाय किए जा सकते हैं, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), पटना के साथ मिलकर यह कार्य करने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट का नाम "Vulnerability Assessment and Remedial Measures for Protected Monuments in Bihar" रखा गया है। प्रस्तावित सहमति पत्र (एमओयू) का ड्राफ्ट एनआईटी से मिल गया है। प्राधिकरण के सुझावों को इसमें समाहित किया गया है। अगले महीने इस संबंध में एमओयू पर दस्तखत किए जाने की संभावना है।

(D) आपदा जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटकों का मंचन, एलईडी वाहन का परिचालन

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के बैनर तले विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले में कांवरिया पथ पर और राजगीर के मलमास मेले में आपदाओं के प्रति जन–जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया जा रहा है। विभिन्न नाट्य संस्थाओं और कला जत्था से जुड़े कलाकार डूबने से बचाव और वज्रपात से सुरक्षा विषय पर नाटकों का मंचन कर रहे हैं। आठ से 10 कलाकारों का दल परंपरागत वाद्य यंत्रों के साथ नुक्कड़ नाटक मंचित कर रहा है। इसे देखने श्रद्धालुओं और आम लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

अगस्त महीने में आर्यभट्ट फाउंडेशन, बौंसी, बांका, आपसदारी कला मंच, मनेर और उजाला सामाजिक सेवा संस्थान, पटना के कलाकारों ने भागलपुर, मुंगेर और बांका जिलों में विभिन्न जगहों पर नुक्कड़ नाटक आयोजित किए।

इसके साथ–साथ आपदा जागरूकता का संदेश लिए एलईडी जागरूकता वाहन कांवरिया पथ पर चलाया गया। 18 से 28 अगस्त के बीच कांवरिया पथ पर धर्मशालाओं के निकट, कांवरिया विश्राम स्थल और चौक चौराहों पर वाहन पर एलईडी स्क्रीन पर आपदा जागरूकता संदेश प्रसारित किए गए। इससे पूर्व जागरूकता वाहन मलमास मेले में भी चलाया गया था।

(E) आपदा प्रबंधन पर जीविका दीदियों के "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण कार्यक्रम

जीविका समूह की दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित कर जागरूक करने के उद्देश्य से सभी जिलों के प्रखण्ड परियोजना प्रबंधक एवं प्रबंधक (सामाजिक विकास) को तीन दिवसीय राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया जा रहा है। इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से धरातल पर जीविका दीदियों को विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव के संबंध में प्रशिक्षण देकर जागरूक किया जाएगा।

माह अगस्त, 2023 में पांच बैचों में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। आयोजित प्रशिक्षण में पूर्णिया, सिवान, समस्तीपुर, दरभंगा, बेगूसराय, लखीसराय, खगड़िया, मुंगेर, बांका, जमुई, सहरसा, गोपालगंज, शेखपुरा एवं सुपौल जिले के प्रखण्ड परियोजना प्रबंधकों, प्रबंधक–सामाजिक विकास एवं आजीविका विशेषज्ञ ने भाग लिया। कुल 175 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का विस्तृत ब्योरा इस प्रकार है:–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	10–12 अगस्त, 2021	पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा एवं मधुबनी	27
2.	01–03 सितम्बर, 2021	मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी एवं शिवहर	22
3.	14–16 सितम्बर, 2021	गोपालगंज, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं सिवान	28
4.	20–22 अक्टूबर, 2021	भागलपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय एवं कटिहार	31
5	16–18 नवम्बर, 2021	सहरसा, सुपौल एवं किशनगंज	17
6	07–09 दिसम्बर, 2021	लखीसराय, भोजपुर, बक्सर, सारण एवं वैशाली	32
7	21–23 दिसम्बर, 2021	मुंगेर, नालंदा, नवादा, बांका एवं वैशाली	29
8	02–04 मार्च, 2022	गया, जहनाबाद एवं अरवल	21
9	14–16 मार्च, 2022	कैमूर, औरंगाबाद, रोहतास एवं पटना	21
10	29–31 मार्च, 2022	शेखपुरा, पटना, जमुई एवं खगड़िया	23
11	20–22 फरवरी, 2023	भोजपुर, जहानाबाद, बांका, रोहतास, बेगूसराय, लखीसराय, किशनगंज, नालंदा, कैमूर, गया, शिवहर एवं सीतामढ़ी	28
12	05–07 जून, 2023	पटना एवं भोजपुर	39
13	12–14 जून, 2023	बक्सर एवं कैमूर	31
14	19–21 जून, 2023	रोहतास एवं नालन्दा	40
15	26–28 जून, 2023	गया एवं नवादा	40
16	03–05 जुलाई, 2023	अरवल, औरंगाबाद एवं प0 चम्पारण	36
17	10–12 जुलाई, 2023	मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं शिवहर	38
18	17–19 जुलाई, 2023	पूर्वी चम्पारण एवं मधेपुरा	37
19	24–26 जुलाई, 2023	सीतामढ़ी एवं सारण	37
20	01–03 अगस्त, 2023	पूर्णिया एवं सिवान	33
21	07–09 अगस्त, 2023	समस्तीपुर एवं दरभंगा	40
22	16–18 अगस्त, 2023	बेगूसराय, लखीसराय, खगड़िया एवं मुंगेर	40
23	21–23 अगस्त, 2023	बांका, जमुई एवं सहरसा	31
24	28–30 अगस्त, 2023	गोपालगंज, शेखपुरा एवं सुपौल	31
		कुल	752

(F) एनसीसी शिविर में आपदाओं के बारे में जागरूकता/संवेदीकरण एवं मॉकड्रिल

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एनसीसी उड़ान एवं एसडीआरएफ के सहयोग से नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स को सड़क सुरक्षा के उपायों, प्राथमिक उपचार एवं अन्य प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के बारे में जागरूक किया जाता है। राज्य के विभिन्न जिलों में आयोजित होनेवाले एनसीसी शिविरों के दौरान संवेदीकरण सम्पन्न करवाया जाता है। मॉकड्रिल का भी आयोजन किया जाता है। डूबने की घटनाओं की रोकथाम से बचाव के उपाय, ठनका से बचाव के उपाय, भूकंप से बचाव हेतु हस्त पुस्तिकाओं / प्रचार –प्रसार सामग्रियों का वितरण किया जाता है। एसडीआरएफ के द्वारा अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण तथा विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु मॉकड्रिल करवाया जाता है। जुलाई, 2023 तक कुल कैम्पस में कुल 26,385 कैडेट्स ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अगस्त माह, 2023 में कुल 09 एनसीसी शिविरों में विभिन्न तिथियों को उपरोक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कुल 2567 कैडेट्स ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। इस प्रकार अभी तक 73 कैम्पस में कुल 28,952 कैडेट्स ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के साथ मिलकर सड़क सुरक्षा के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम 30 नवम्बर 2019 से प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में एनसीसी उड़ान एवं निर्माण कला मंच आदि के साथ–साथ अन्य संगठनों के सहयोग से विभिन्न जिलों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों एवं जिले की अन्य प्रमुख सड़कों के किनारे एवं आस–पास के अवस्थित उच्च एवं माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित किया जाता है।

उक्त कार्यक्रम में सड़क सुरक्षा जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु सड़क दुर्घटनाओं संबंधी वीडियो क्लिप्स (क्या करें, क्या नही करें) का प्रदर्शन, सड़क दुर्घटना में प्रभावित छात्र/छात्राओं द्वारा अनुभव साझा करना, नुक्कड़ नाटक, अस्पताल पूर्व चिकित्सा विषय पर प्रशिक्षण, सड़क सुरक्षा हेतु शपथ, प्रचार–प्रसार सामग्रियों का वितरण आदि गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है। इस संबंध में माड्यूल एवं प्रशिक्षण सामग्री विकसित की गयी है, जिसके अनुसार विभिन्न गतिविधियों का सम्पादन किया जाता है।

माह अगस्त, 2023 में निम्नलिखित विद्यालयों/ स्थानों पर इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया :–

क्र0 सं0	दिनांक	विद्यालय का नाम	प्रतिभागियों की संख्या (लगभग)
1	02.08.2023	1. महावीर इंटर स्कूल, गया 2. अनुग्रह कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,गया	555
2	04.08.2023	3. राज्यकृत धनुष धारी सर्वोदय उच्च विद्यालय, बिहटा 4. ठाकुर प्रसाद उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिहटा	555
3	08.08.2023	5. जी०एम०एस०एस हाई स्कूल, मधुबनी 6. वाटसन हाई स्कूल, मधुबनी	344
4	12.08.2023	7. संजय गाँधी कॉलेज, आरा 8. मॉडल हाई स्कूल, आरा	288
5	17.08.2023	9. आर०बी इंटर स्कूल, बिहारशरीफ 10. सैनिक स्कूल, नालंदा 11. चक्रपाणि इंटरनेशनल, स्कूल, राजगीर	612
6	19.08.2023	12. व्यापर मंडल बालिका (2) स्कूल, फतुहा 13. फतुहा हाई स्कूल	590
7	22.08.2023	14. एस०एस० गर्ल्स हाई स्कूल, हाजीपुर 15. वैशाली महिला कॉलेज	475
		16. जगदम कॉलेज, छपरा 17. राय साहब कालिका सिंह उच्च विद्यालय, छपरा	279
	कुल		**3698**

माह अगस्त, 2023 में उक्त कार्यक्रम उल्लिखित जिलों के कुल 17 विद्यालयों/ स्थानों पर आयोजित किया गया। जिसमें लगभग 3698 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं/समुदाय के लोगों ने भाग लिया। इस प्रकार अभी तक 17 जिलों के 87 विद्यालयों/महाविद्यालयों/ स्थानों पर आयोजित किया गया, जिसमें कुल 11,733 छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं/समुदाय के लोगों ने भाग लिया।

(G) अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण के लिए एनएसडीसी से वार्ता

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आवासीय भवनों समेत अन्य संरचनाओं को भूकंप के दौरान होनेवाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से राज्य भर में असैनिक अभियंताओं व अनुभवी राजमिस्त्रियों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने के लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5000 अभियंताओं, वास्तुविदों एवं संवेदकों तथा करीब 20000 अनुभवी राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

आपदा प्रबंधन के बदले परिदृश्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने एवं पूर्व में निर्मित मकानों की रेट्रोफिटिंग कर उन्हें भूकंपरोधी बनाने की दिशा में प्राधिकरण कार्य कर रहा है। इसके लिए आवश्यक है कि निर्माण कार्य में संलग्न सभी साझेदारों का क्षमतावर्द्धन किया जाए तथा आमजन को भूकंपरोधी भवनों के निर्माण के संदर्भ में जागरूक किया जाए। अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से देश के लब्ध प्रतिष्ठित संस्थान पटना स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) द्वारा एक कांसेप्ट नोट प्राधिकरण को समर्पित किया गया है। इसके आलोक में राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण को लेकर भारत सरकार की संस्था नेशनल स्किल डेवलेपमेंट कौंसिल (एनएसडीसी) के सीईओ एवं प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष के स्तर पर हुई वार्ता के उपरान्त एनएसडीसी की उप महाप्रबंधक सुश्री भावना वर्मा से ईमेल प्राप्त हुआ है जिसे मा० उपाध्यक्ष के अवलोकनार्थ भेजा गया था। माननीय उपाध्यक्ष के निदेशानुसार विधि परामर्शी (श्री रजा) द्वारा आवश्यक संशोधन कर एनएसडीसी की उप महाप्रबंधक सुश्री भावना वर्मा को भेज दिया गया है एवं संशोधनोपरांत प्रस्तावित एमओयू के ड्राफ्ट को प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने को कहा गया है।

जिला स्तर पर आपदाओं से बचाव हेतु जन–जागरूकता एवं मॉकड्रिल कार्यक्रम

जिला स्तर पर मॉकड्रिल टीम के प्रशिक्षण के लिए एनडीआरएफ/एसडीआरएफ एवं अग्निशाम सेवा के सहयोग से प्रशिक्षण मॉडयूल तैयार किया गया है। सितम्बर माह से सिविल डिफेन्स के ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया जाना है। इस सम्बन्ध में मॉकड्रिल टीम के प्रशिक्षण हेतु एक कैलेन्डर माननीय उपाध्यक्ष एवं माननीय सदस्य (श्री राय सर) के अनुमोदनोपरांत माननीय सचिव को अग्रेतर कार्यवाही हेतु भेजी गई है। मॉकड्रिल टीम के प्रशिक्षण से संबंधित मॉडयूल को माननीय उपाध्यक्ष एवं सदस्यद्वय का अनुमोदन प्राप्त हुआ है। जिला स्तर पर आपदाओं से बचाव हेतु जन–जागरूकता एवं मॉकड्रिल कार्यक्रम के आयोजन के सम्बन्ध में आवश्यक विभिन्न प्रकार के इक्विपमेंट जिला स्तर से नियमानुसार निविदा/कोटेशन प्रक्रिया के माध्यम से क्रय हेतु आवश्यक राशि 02,39,000/– भेजी गई है। आवश्यक विभिन्न प्रकार के इक्विपमेंट को क्रय करने से सम्बंधित स्मार पत्र पुनः जिलों को सचिव स्तर से भेजा गया है।

जिला स्तर पर आपदाओं से बचाव हेतु जन–जागरूकता एवं माकड्रिल कार्यक्रम

विभिन्न आपदाओं से बचाव हेतु जागरूकता एवं मॉकड्रिल कार्यक्रम को लगातार चलाए जाने की आवश्यकता है। इस सन्दर्भ में भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा से सम्बंधित मॉकड्रिल कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है। उपरोक्त कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श करने एवं तैयारियों हेतु दिनांक 07–09–2023 को एक बैठक निर्धारित की गई है।

भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र

1. भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को बहु आपदा सुरक्षा केंद्र (मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक) के रूप में उत्क्रमित करने के संबंध में दिनांक 31/08/2023 को माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता एवं माननीय सदस्य श्री राय सर की गरिमामयी उपस्थिति में भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज तथा एनआईटी, पटना के संकाय से जुड़े लोगों के साथ एक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में माननीय उपाध्यक्ष द्वारा नई शिक्षा

नीति को ध्यान में रख कर नई तकनीक के साथ समन्वय स्थापित करते हुए इससे सम्बंधित कांसेप्ट नोट इस माह के अंत तक प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत करने को निदेश दिया गया।

2. राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा के लिए क्लिनिक सह परामर्श केंद्र के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। प्राचार्य को पूर्णता प्रतिवेदन प्राधिकरण को भेजने का अनुरोध किया गया है।

3. मुजफ्फरपुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में स्थापित भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक के रूप में अपग्रेड करने हेतु इंस्टिट्यूट की तरफ से एक प्रस्ताव प्राधिकरण में प्रस्तुत किया गया जिसके अवलोकनोपरांत माननीय उपाध्यक्ष एवं सदस्यद्वय द्वारा कतिपय सुझाव दिए गए, जिसके आलोक में संशोधित प्रस्ताव अपेक्षित है।

बिहार के ऐतिहासिक धरोहर भवनों के रखरखाव के संबंध में

बिहार के ऐतिहासिक धरोहर भवनों के रखरखाव संबंधित विषय पर एक शोध प्रस्ताव प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किया गया है। एन.आई.टी. पटना के प्रो. संजीव सिन्हा द्वारा फोटोग्रामेट्री तकनीक का उपयोग करते हुए इनके रेट्रोफिटिंग विषय पर आगे का कार्य किया जाना है। इस सम्बन्ध में प्रो. सिन्हा द्वारा करवाई की जा रही है। प्रो० सिन्हा द्वारा कांसेप्ट नोट अपेक्षित है।

(H) सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा जोखिम एवं न्यूनीकरण का प्रशिक्षण

हमारा बिहार बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गांव, पंचायतों, प्रखंड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएं आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें, तो वे अपने जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं। इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओ के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है। विभिन्न आपदाओं की स्थिति में सुरक्षा प्रदान करने में ये युवा अपने समुदाय के मददगार साबित हो सकें, इस कार्यक्रम का उद्देश्य यही है। गांव, पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर विभिन्न आपदाओं की प्रवणता की जानकारी हासिल कर उन आपदाओं के जोखिम–न्यूनीकरण तथा प्रबंधन में समुदाय की सहायता करने हेतु स्वयं को तैयार करने में युवा पूरे जोश के साथ भाग लेते हैं। इसी क्रम में अगस्त माह में दिनांक 02–08–2023 से 13–08–2023 तक जिला भागलपुर, किशनगंज, लखीसराय मधुबनी, मुंगेर एवं सिवान जिलों के कुल 870 लोगों को प्रशिक्षित किया गया। दिनांक 17–08–2023 से 28–08–2023 तक जिला भागलपुर, पूर्णिया, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, वैशाली, मधुबनी और कटिहार जिलों के स्वयंसेवकों को ओ.पी. साह सामुदायिक भवन, मालसलामी, पटना में 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया। एसडीआरएफ के प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर ने इन्हें प्रशिक्षण दिया। प्राधिकरण की ओर से विशेषज्ञ डॉ. बीके सहाय डॉ. अनिल कुमार, डॉ. जीवन कुमार व श्री अशोक शर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न आपदाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थियों के बीच प्रमाण पत्र वितरण किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण के सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.), उपसचिव श्री आशुतोष सिंह और वरीय शोध सहायक श्री रवि आनंद मौजूद थे। इस तरह प्राधिकरण की ओर से अब तक कुल 7892 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(I) रोडमैप व एक्शन प्लान को अपडेट करने का कार्य प्रगति पर

डीआरआर रोडमैप के अद्यतीकरण का कार्य यूनिसेफ द्वारा किया जा रहा है। 02 अगस्त, 2023 को यूनिसेफ के साथ माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में यूनिसेफ द्वारा बिहार के सभी जिलों की संवेदनशीलता सूचकांक (वल्नेरबिलिटी इंडेक्स) के ऊपर एक प्रस्तुति दी गयी। यूनिसेफ को सलाह दी गई की बढ़ते ताप, ठनका, बाढ़, भूकंप इत्यादि अनके आपदाओं के प्रभाव को शामिल कर जिलावार संवेदनशीलता सूचकांक बनाया जाये। विशेषतः आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग का प्रयोग कर भविष्य में इन आपदाओं का विश्लेषण किया जाये। इसके बाद आपदानुसार जिलों का वर्गीकरण किया जाये। कार्य प्रगति पर चर्चा हुई एवं इसे पूर्ण करने के लिए एक समय सीमा तय की गई।

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण की योजना है एवं इसके लिए कई बिन्दुओं पर कार्य चल रहा है। आईआईपीएच, गांधीनगर से आरंभिक संपर्क किया गया एवं जिलावार हीट वल्नेरेबिलिटी इंडेक्स को 2023 में भीषण ताप की स्थिति एवं भविष्य में जलवायु परिवर्तन के कारण नई संभावनाओं का आकलन एवं विश्लेषण कर इसका पुनर्निर्धारण करना है। इस कार्य हेतु आईएमडी, पटना के सहयोग से पिछले 10 वर्षों का दैनिक तापमान का डाटा संग्रह किया गया है। योजना विभाग से जिलावार जन्म एवं मृत्यु (प्रतिदिन) से सम्बंधित पिछले 10 वर्षों के डाटा के लिए संपर्क किया गया है। 29 अगस्त, 2023 को आईआईपीएच, गांधीनगर के निदेशक एवं उनके विशेषज्ञ सहयोगियों के साथ ऑनलाइन बैठक माननीय उपाध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में हुई। विस्तृत चर्चा के बाद निम्न बिन्दुओं पर सहमति बनी :

क) आईआईपीएच, गांधीनगर हीट एक्शन प्लान एवं कोल्ड एक्शन प्लान दोनों कार्यों को करेगी। पहले कोल्ड एक्शन प्लान को पूरा किया जायेगा, तब हीट एक्शन प्लान का कार्य लिया जायेगा।

ख) 20 सितम्बर, 2023 के बाद जल्द प्राधिकरण में आईआईपीएच के साथ बैठक होगी जिसमें एमओयू को अंतिम रूप दिया जायेगा। संस्थान को एमओयू के प्रारूप के साथ बजट भी साझा करने के को कहा गया।

ग) बिहार मौसम सेवा केंद्र इस कार्य में प्राधिकरण की तरफ से इंटरफेस के रूप में सहयोग करेगी।

घ) आईआईपीएच जल्द ही आवश्यक डाटा की जरूरतों के बारे में विस्तार से बताएँगे ताकि डाटा संग्रह का कार्य तेज गति से किया जा सके।

पंजाब यूनिवर्सिटी के आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर की 04 छात्राओं का इंटर्नशिप

पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर की 04 छात्राओं का 01 महीने का इंटर्नशिप 16 जुलाई, 2023 से 15 अगस्त, 2023 तक डॉ अनिल कुमार, वरीय सलाहकार की देखरेख में चला। सुश्री अल्पना एवं सुश्री वैशाली तिवारी ने बलासोर ट्रेन दुर्घटना में बिहार से पीड़ितों के परिवार का अध्ययन किया एवं उन परिवारों की जरूरतों और जोखिमों का आकलन भी किया। अन्य दो छात्राओं सुश्री दीपा रे एवं सुश्री कविता रेहल ने 2023 के डाटा के आधार पर बिहार में ठनका का अध्ययन किया एवं मौसम – ठनका बीच संबंध को विकसित करने का प्रयास किया। इंटर्नशिप के अंत में माननीय उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में इन दो छात्राओं ने दो समूहों में प्रस्तुतीकरण दिया गया। माननीय उपाध्यक्ष सहित सभी प्रोफेशनल्स ने उनके कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

(J) 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में पत्रकार पुष्यमित्र का व्याख्यान

जाने–माने पत्रकार और 'रुकतापुर' जैसी बहुचर्चित किताब के लेखक श्री पुष्यमित्र ने 18 अगस्त को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सभाकक्ष में आयोजित 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण अपने स्तर से जिलों को बाढ़ पूर्व तैयारियों की जो सलाह देता है या सुरक्षित तैराकी जैसे कार्यक्रम संचालित करता है, वो वाकई सराहनीय हैं।

अपने संबोधन की शुरुआत श्री पुष्यमित्र ने 18 अगस्त को याद करते हुए की। उन्होंने कहा कि आज से ठीक 15 वर्ष पूर्व बिहार में कुसहा त्रासदी हुई थी। कोसी नदी ने अपनी धारा ही बदल ली थी। लाखों लोग प्रभावित हुए थे। कई लोग मारे गए थे। आपदा प्रबंधन के लिहाज से यह तारीख महत्वपूर्ण है। इसके बाद हमारी सरकार और खासकर हमारे मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने इस पर गंभीरता से सोचना शुरू किया। प्राधिकरण बना आपदा प्रबंधन के काम में तेजी आई।

श्री पुष्यमित्र ने कहा कि कोसी की आपदा से पूरे बिहार को यह तो सीखना ही चाहिए की नदी को अपने हिसाब से बहने दिया जाए। बांधा न जाए। कोसी बराज बना, तटबंध बने फिर भी हम कोसी को कहां बांध पाए? श्री पुष्यमित्र ने कहा कि अब तटबंध तो हटाए नहीं जा सकते। इसका सामना तो करना ही पड़ेगा। बाढ़ के लिए बेहतर आपदा प्रबंधन नीति भी बनानी ही होगी। अपनी ओर से आपदा प्रबंधन प्राधिकरण हर वर्ष मार्च या अप्रैल महीने में ही सभी जिला प्रशासन को बहुत विस्तृत सुझाव भेजता है। कुल 23 बिंदुओं का इसमें जिक्र होता है। प्राधिकरण का यह प्रयास काबिलेतारीफ है। अगर इस पर कायदे से अमल हो, तो बाढ़ में किसी को कोई दिक्कत नहीं होगी। इसके साथ ही सटीक पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करनी होगी। अगर पहले से सटीक सूचना हो तो बाढ़ का अच्छे से प्रबंध किया जा सकता है। यह भूकंप जैसी आपदा तो है नहीं, जो अचानक आ जाए। नेपाल में चार–पांच दिन अच्छी बारिश हो गई तो अगले एक–दो दिन बाद हमारे यहां पानी आएगा ही। ऐसे में नेपाल के साथ विभाग को बेहतर तालमेल, समन्वय रखना होगा।

श्री पुष्यमित्र ने प्राधिकरण के सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि तैरने वाला समाज डूब रहा है। यह चिंता का विषय है। तैराकी बहुत जरूरी चीज है। सबको सीखनी चाहिए। कार्यक्रम में बुलाने के लिए उन्होंने प्राधिकरण परिवार का आभार जताया। इस मौके पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पी. एन. राय, सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) और प्राधिकरण के समस्त कर्मी उपस्थित थे।

(K) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर अगस्त माह, 2023 में राज्य के कुल 448 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 33 सरकारी एवं 415 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:–

Month August -23, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise

Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	4	60	64
2	Nalanda	0	0	0	0	9	9
3	Rohtas	1	0	1	5	14	19
4	Bhabhua	0	1	1	2	16	18
5	Bhojpur	0	0	0	1	4	5
6	Buxar	0	0	0	0	5	5
7	Gaya	0	0	0	1	18	19
8	Jehanabad	0	0	0	0	2	2
9	Arwal	0	0	0	0	3	3
10	Nawada	0	0	0	1	11	12
11	Aurangabad	0	0	0	1	11	12
12	Chhapra	0	0	0	0	13	13
13	Siwan	0	0	0	1	18	19
14	Gopalganj	0	0	0	0	10	10
15	Muzaffarpur	0	1	1	10	55	65
16	Sitamarhi	0	0	0	0	13	13
17	Sheohar	0	0	0	0	0	0
18	Bettiah	0	0	0	0	1	1
19	Bagaha	0	0	0	0	0	0
20	Motihari	0	0	0	0	32	32
21	Vaishali	0	0	0	0	10	10
22	Darbhanga	0	0	0	1	12	13
23	Madhubani	0	0	0	0	19	19
24	Samastipur	0	0	0	0	7	7
25	Saharasa	0	0	0	0	2	2
26	Supaul	1	0	1	0	7	7
27	Madhepura	0	0	0	3	8	11
28	Purnea	0	1	1	0	11	11
29	Araria	0	0	0	0	9	9
30	Kishanganj	0	1	1	0	7	7
31	Katihar	0	0	0	0	12	12
32	Bhagalpur	0	0	0	0	23	23
33	Naugachhia	0	0	0	0	1	1
34	Banka	0	6	6	0	0	0
35	Munger	0	0	0	5	18	23
36	Lakhisarai	0	0	0	0	2	2
37	Shekhpura	0	0	0	0	3	3
38	Jamui	0	0	0	0	6	6
39	Khagoria	0	0	0	0	6	6
40	Begusarai	0	0	0	0	7	7
Total		2	10	12	31	405	436

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 10,426 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(L) अगस्त माह की व्यय विवरणी

व्यय विवरणी (अगस्त - 2023)		
1	व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं	13,36,305
2	कार्यालय व्यय	2,74,325
3	जन जागरुकता	27,573
4	सुरक्षित तैराकी	7,13,470
5	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	2,200
6	अग्नि सुरक्षा	24,300
7	सड़क सुरक्षा	4,200
8	बाढ़ / सूखा	2,21,486
9	आकाशीय विद्युत	4,166
10	वायु प्रदुषण	4,400
11	मुद्रण एवं प्रकाशन	1,528
12	जीविका दीदी प्रशिक्षण	92,148
13	रेल दुर्घटना	1,100
14	इनसे मिलिए	4,330
15	विद्युत्	328
16	चिकित्सा	7,43,975
17	दूरभाष	3,780
18	वेतन (31-04)	20,25,753
19	"अपस्केलींग ऑफ़ आपदा मित्र"	2,76,71,303
20	डी डी एम् पी	10,924

(M) जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

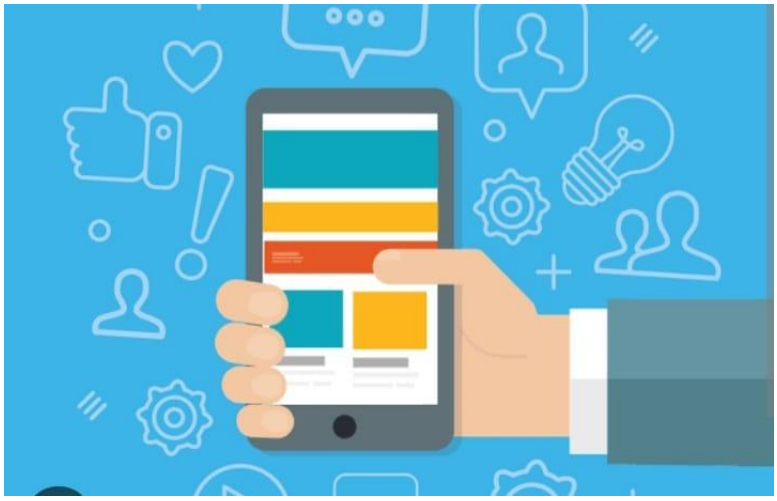

प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आंगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मास मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। जुलाई, 2023 में कुल 6997596 मास मैसेजिंग किए गए। इसके जरिये वज्रपात और डूबने से बचाव की जानकारी लोगों को दी गई।